विश्व पटल पर हो रहा है हिंदी का विस्तारः प्रो. रामशरण जोशी

कोलकाता, 14 सितंबर। जाने-माने समाजविज्ञानी प्रो. रामशरण जोशी ने कहा है कि हिंदी का अभ्युदय भारत में ही नहीं, विश्व पटल पर हो रहा है। भारत में पहले हिंदी के तीन टकसाल थे- आगरा, लखनऊ और बनारस किंतु अब न केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी उसका व्यापक विस्तार हो चुका है। प्रो. जोशी आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र द्वारा आयोजित भारतीय भाषा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र ने हिंदी दिवस को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम का सह आयोजक पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र था।

समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए प्रो. राम शरण जोशी ने कहा कि आज सौ से ज्यादा देशों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। भोपाल में सद्यः संपन्न विश्व हिंदी सम्मेलन में उनसठ देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए आलोचक प्रो. अमरनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय जीवन से अंग्रेजी का वर्चस्व खत्म करने का प्रयास होना चाहिए क्योंकि इसी में छोटे से वर्ग की ताकत निहित है जो हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और लक्ष्यों को विकृत करता रहता है। 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार 63.8 प्रतिशत के साथ साक्षरता में बिहार सबसे निचले पायदान पर है और इसी के आस-पास हिन्दी भाषी अन्य राज्य

भी हैं जबकि दूसरी ओर धन का बहुत बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के लिए खर्च कर दिया जाता है। इससे केवल एक छोटे से प्रभु वर्ग की ही अंतरराष्ट्रीय प्रगति हुई है। इसने राष्ट्रीय एकता को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके कारण महानगरीय और ग्रामीण भारत में अंतराल तेजी से बढ़ा है। बीएसफ के डीआईजी एस.पी. तिवारी ने कहा कि हिंदी का प्रसार तब होगा जब उसे लेकर हममें हीन ग्रंथि न हो। आरपीएफ के डीआईजी एस.के. सैनी ने कहा कि हिंदी बाजार की भाषा बन गई है। टीवी पत्रकार रजनीश ने कहा कि हिंदी का भविष्य भारतीय भाषाओं के साहचर्य में ही है। पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के उप निदेशक समीर मुखोपाध्याय ने कहा कि हिंदी ही देश की संपर्क भाषा है।

समारोह में फातिमा कनीज ने काकबरक, नीरु कुमारी सिंह ने अओ, अनामिका शुक्ल ने बुंदेलखंडी और अंशु सिंह ने मलयालम कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में कवि-गायक मृत्युंजय कुमार सिंह की नेपाली में गाई गई कविता की पुनर्प्रस्तुति हुई तो जूही चटर्जी और नेहा झा ने काव्य संगीत प्रस्तुत किया। रजनीश कुमार प्रसाद, शीला कुमारी गुप्ता और मौसमी गुप्ता ने स्वरचित हिंदी कविताएं सुनाईं। नेहा चतुर्वेदी व उमेश शर्मा ने पुस्तक चर्चा में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन नेहा झा ने किया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर तथा कोलकाता केंद्र के प्रभारी डा. कृपाशंकर चौबे, असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अमित राय और सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने सूत की माला पहनाकर किया।

भारतीय भाषा दिवस समारोह में बाएं से रामशरण जोशी, नेहा झा, एस.पी. तिवारी, एस.के. सैनी और प्रो. अमरनाथ